एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लैफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की पुस्तक का विमोचन

चंडीगढ़, 30 मई (राम सिंह बराड़): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब 'वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द सांझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे 'वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी' युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, जहां छात्रों और शिक्षकों ने विचारोतेजक प्रश्न पूछे। बातचीत के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा।

जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज, सैक्टर 32 में रि. लैफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. ढिल्लों की पुस्तक 'वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी : वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का विमोचन करते लेखक के साथ प्रेमंका गोस्वामी, पूर्व प्रमुख जनरल वी.पी. मलिक व अन्य। (छाया : गुरिंदर सिंह)

अजीत समाचार
31-May-2025
Page: 6
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
http://www.ajitsamachar.com/20250531/20/6/1_1.cms

अर्थ प्रकाश, 31/5/25

एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब 'वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी । लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे ÷वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी÷ युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे।

बातचीत के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा।

एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफ़ादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी । लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ।

REGD NO - PB 210003765

ਬੀਬੀਸੀ International Radio

email-news.bbcinternational.radio@gmail.com II Whatsaap 9877518907

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵਿੱਚ ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਕੇ.ਜੇ.ਐਸ. ਢਿੱਲੋਂ ਦੀ ਕਿਤਾਬ

"ਵਫ਼ਾਦਾਰੀ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ: ਵਾਰ-ਰੂਮ ਤੋਂ ਬੋਰਡ-ਰੂਮ ਤੱਕ" ਦਾ ਵਿਮੋਚਨ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 29 ਮਈ, 2025 - ਜੀ.ਜੀ.ਡੀ.ਐਸ.ਡੀ. ਕਾਲਜ, ਸੈਕਟਰ 32 ਦੇ ਮਿੰਨੀ ਆਡੀਟੋਰੀਅਮ ਵਿੱਚ ਰਿਟਾਇਰਡ ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਕੇ. ਜੇ. ਐਸ. ਢਿੱਲੋਂ ਦੀ ਕਿਤਾਬ " ਵਫ਼ਾਦਾਰੀ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ: ਵਾਰ-ਰੂਮ ਤੋਂ ਬੋਰਡ-ਰੂਮ ਤੱਕ" ਦਾ ਵਿਮੋਚਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ, ਫੌਜੀ ਦਿੱਗਜਾਂ ਅਤੇ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੇਮੀਆਂ ਦੀ ਭਰਵੀਂ ਭੀੜ ਇਕੱਠੀ ਹੋਈ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਫ਼ਾਦਾਰੀ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਦੇ ਮੁੱਲਾਂ ਦਾ ਜਸ਼ਨ ਮਨਾਇਆ। ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਢਿੱਲੋਂ ਨਾਲ ਮੰਚ 'ਤੇ ਪੈਂਗੁਇਨ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਐਸੋਸੀਏਟ ਪਬਲਿਸ਼ਰ ਸ੍ਰੀ ਪ੍ਰੇਮੰਕਾ ਗੋਸਵਾਮੀ ਅਤੇ ਸਾਬਕਾ ਸੈਨਾ ਮੁਖੀ ਜਨਰਲ ਵੀ.ਪੀ. ਮਲਿਕ ਵੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਤਜ਼ਰਬਿਆਂ ਅਤੇ ਪੁਸਤਕ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਏ ਮੁੱਲਾਂ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਵਿਚਾਰ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਰਸਮੀ ਉਦਘਾਟਨ ਮਾਣ ਵਾਲਾ ਪਲ ਸੀ, ਜਦੋਂ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਢਿੱਲੋਂ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਮਲਿਕ ਮੰਚ 'ਤੇ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ, ਜੋ ਪੁਸਤਕ ਵਿੱਚ ਮਨਾਏ ਗਏ ਵਫ਼ਾਦਾਰੀ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ ਅਤੇ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਦੇ ਮੁੱਲਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਤੀਕ ਸੀ। ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਕਿਵੇਂ "ਵਫ਼ਾਦਾਰੀ, ਈਮਾਨਦਾਰੀ, ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ" ਯੁੱਧ-ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਬੋਰਡ-ਰੂਮ ਤੱਕ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਯਾਤਰਾ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਫੌਜੀ ਨੈਤਿਕਤਾ, ਲਚਕੀਲਾਪਨ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰ ਸੇਵਾ ਵਿੱਚ ਨਿਹਿਤ ਅਗਵਾਈ ਦੇ ਸਬਕ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ।ਇਹ ਸਮਾਗਮ ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਢਿੱਲੋਂ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਗੋਸਵਾਮੀ ਵਿਚਕਾਰ ਇੱਕ ਦਿਲਚਸਪ ਗੱਲਬਾਤ ਵਿੱਚ ਬਦਲ ਗਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਮਿਲ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤਜ਼ਰਬਿਆਂ 'ਤੇ ਚਰਚਾ ਕੀਤੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੁਸਤਕ ਨੂੰ ਆਕਾਰ ਦਿੱਤਾ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਅਗਵਾਈ, ਨੈਤਿਕਤਾ ਅਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਕਰਤੱਵ 'ਤੇ ਇੱਕ ਪ੍ਰੇਰਣਾਦਾਇਕ ਚਿੰਤਨ ਹੋਇਆ। ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉੱਤਰ ਸੈਸ਼ਨ ਦੌਰਾਨ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਨੇ ਉਤਸ਼ਾਹਪੂਰਵਕ ਪ੍ਰਤੀਕਿਰਿਆ ਦਿੱਤੀ, ਜਿੱਥੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੇ ਵਿਚਾਰ-ਉਕਸਾਉਣ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਪੁੱਛੇ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਲੇਖਕ ਦੇ ਕੁਝ ਚਿੰਤਨਸ਼ੀਲ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਹਾਸੇ-ਮਜ਼ਾਕ ਵਾਲੇ ਕਿੱਸੇ ਸਾਹਮਣੇ ਆਏ।ਗੱਲਬਾਤ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਲੈਫਟੀਨੈਂਟ ਜਨਰਲ ਢਿੱਲੋਂ ਨੇ ਪੁਸਤਕ ਦੀਆਂ ਕਾਪੀਆਂ 'ਤੇ ਨਿੱਜੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਦਸਤਖਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਚਾਹ 'ਤੇ ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮਾਂ ਕੱਢਿਆ।ਜੀਜੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੈ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਇਸ ਪਹਿਲਕਦਮੀ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਟੀਮ ਨੂੰ ਇੰਨੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਣਾਦਾਇਕ ਸਾਹਿਤਕ ਸ਼ਾਮ ਦੀ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰਨ ਲਈ ਸਲਾਹਿਆ। ਇਹ ਯਾਦਗਾਰੀ ਸ਼ਾਮ ਦ ਬ੍ਰਾਊਜ਼ਰ, ਫੌਜੀ ਡੇਜ਼ ਅਤੇ ਜੀਜੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਰੀਡਰਜ਼ ਕਲੱਬ ਦੁਆਰਾ ਸਾਂਝੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ।

भास्कर सिटी लाइफ 30/5/25

हर सोल्जर के डीएनए में है वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी

Talk Session

वीरवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस टाइनी ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी - वॉररूम टू बोर्डरूम चंडीगढ़ सेक्टर 32 के एसडी कॉलेज में लॉन्च हुई।

सिटी रिपोर्टर|चंडीगढ़

• किताब के विमोचन में लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस टाइनी ढिल्लों, फॉर्मर चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ वीपी मलिक, डॉ. रंजना मलिक आदि मौजूद रहे।

वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी... कहने को सिर्फ तीन शब्द, मगर इन तीनों को एक फौजी जब पहले दिन ग्रहण करता है तो तब तक उसी में रहता है जब तक वह अपनी चिता पर ना पहुंच जाए। यह शब्द ना केवल हमें बेहतर फौजी बनाते हैं, बल्कि बेहतर भारतीय बनने में सक्षम करते हैं। तो क्यों ना फौज के इस सूत्र को हम सभी भारतीय अपने जीवन में उतारें। बेशक हम जिस मर्जी काम से जुड़ें हों, लेकिन सबसे पहले हम एक सच्चे भारतीय बनें। यह कहना है अपनी दूसरी किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी - वॉररूम टू बोर्डरूम को लेकर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस टाइनी ढिल्लो का, जो वीरवार को चंडीगढ़ सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में अपनी किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी को लॉन्च करने और किताब पर चर्चा करने पहुंचे थे। बोले - इस किताब को मैंने दिल और जज्बात से लिखा है। जब खुद इसे पढ़ा तो आंखों में आंसू आ गए। लिखने से पहले मैंने कई मोटिवेशनल थ्योरी को पढ़ा और सोचा यह याद क्यों नहीं। इस किताब में जिन बातों को लिखा है वह याद रहेंगी। वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी यह तीन शब्द हर फौजी का डीएनए है। जब मैं 2019 - 20 की सर्दियों में कश्मीर में कोर कमांडर था, तब साउथ कश्मीर में एक ऑपरेशन जारी था। आतंकी जंगल में थे। एक आतंकी ने 100 मीटर से फायर कर दिया। ऐसी स्थिति में कमांडर को सब हैंडल करना था, लेकिन वो भी इफेक्टिव फायर के अंडर था। ऑफिसर्स में एक जवान को अभी तीन साल ही हुए थे आर्मी में, उसने सारी स्थिति संभाली। इसे पहल कहते हैं, इसे जिम्मेदारी कहते हैं। उसने अपनी जिम्मेदारी निभाई। उसे किसी ने कोई ऑर्डर नहीं दिया था, उसने कुछ समझा और स्थिति को संभाला। यूं स्थिति से लीडर निकलकर आते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं। किताब अन्य भारतीयों को कैसे मदद करेगी? इसे लेकर उन्होंने बताया - मान लीजिए कार्पोरेट सेक्टर में एक टीम है और उनका एक प्रोजेक्ट है। सभी सोच रहे हैं कि मैनेजर लीड करेगा। लेकिन, उसमें से एक युवा लड़की आगे निकलकर आती है और सभी को लीड करती है। यह करना आपको किताब सिखाएगी। यह तभी होगा जब हम दूसरों के जज्बात समझ पाएंगे।

आर्मी नौकरी नहीं, मोहब्बत है...

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस टाइनी ढिल्लों की पहली किताब है - कितने गाज़ी आए, कितने गाज़ी गए। कहते हैं इस किताब की सफलता ने मुझे दूसरी किताब लिखने का हौसला दिया। अक्सर अपनी इस किताब को लेकर कहते हैं - कितने गाजी आए, कितने गाज़ी गए, परवाह नहीं। आर्मी कोई नौकरी नहीं, मोहब्बत है। उसमें चुनौतियां नहीं, अफसाने होते हैं। यूं तो आर्मी वालों के बहुत से अफसाने होते हैं। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक हुआ और 19 फरवरी को प्रेसकॉन्फ्रेंस हुई। टेररिस्ट ग्रुप का कोड गाजी था, जो गजनी से ही प्रेरित था। सवाल आया क्या गाज़ी मर गया? मैंने कहा- कितने गाजी आए, कितने गाजी गए... यूं यह किताब आई। हमारी वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी दूसरी किताब में तब्दील हुई। यह किताब आपको और बेहतर बनाएगी। आप जितने जिम्मेदार हैं, आपको उससे ज्यादा जिम्मेदारी सिखाएगी। छोटी छोटी बातें मायने रखती हैं, जब बात जिम्मेदारी और वफादारी की आती है।

मैनेज नहीं, आपको लीड करना है

लीडर्स और मैनेजर्स में अंतर होता है। लीडर्स कमांड करते हैं इंसानों को। वह उन्हें मोटिवेट करने की बात करते हैं। उनसे भावुक तौर से जुड़े होते हैं, लेकिन मैनेजर्स डील करते हैं प्रोजेक्ट्स के साथ। इन्हें किसी के भावों से कोई लेना-देना नहीं होता। लीडर्स के लिए जीवन का प्रॉफिट-लॉस मायने रखता है। मैनेजर्स टफ होते हैं, लेकिन लीडर टफ नहीं हो सकता। उसे कोमल होना पड़ता है। एक सोल्जर भी कभी सख्त नहीं होता, वह नारियल की तरह होता है।

दैनिक जागरण 31/5/25

-जीजीडीएसडी कालेज में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी : वार-रूम टू बोर्ड-रूम तक का विमोचन

वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी के अहसास से लिखी है किताब

जीजीडीएसडी कालेज, सेक्टर-32 में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन हुआ • स्वतः

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : अपने अनुभव को किताब में लिखना आसान नहीं होता है, लेकिन जब काम पूरा हो जाता है तो वह पल बहुत ही सुखद भरा होता है। इससे भी ज्यादा सुख का अहसास तब होता है जब दूसरों तक किताब पहुंचने के साथ उस पर चर्चा भी होती है। जीजीडीएसडी कालेज, सेक्टर-32 के मिनी आडिटोरियम में यही नजारा दिखा। यहां पर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी : वार-रूम टू बोर्ड-रूम तक का विमोचन हुआ। इसके बाद किताब पर चर्चा भी हुई। यह कार्यक्रम द ब्राउजर, फौजी डेज और जीजीएसडी कालेज, चंडीगढ़ के रीडर्स क्लब की ओर से मिलकर करवाया गया। इस अवसर पर सैन्य दिग्गज और साहित्य प्रेमी भी पहुंचे। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के अलावा पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक ने किताब को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

मेरी यात्रा को दर्शाती है किताब

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने किताब के बारे में बताया कि कैसे यह किताब मेरी यात्रा को दर्शाती है। इसके शीर्षक से यह बात पता भी चलती है। किताब में सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में नेतृत्व के सबक शामिल है। किताब को मैंने दिल और जज्बात से लिखा है। जीजीएसडी कालेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की। इसके अलावा टीम के काम को भी सराहा। जिन्होंने महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम को सफल बनाया।

दैनिक सवेरा 31/5/25

एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

कार्यक्रम में हिस्सा लेते छात्र, शिक्षक, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमी।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 30 मई : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी । लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की।

एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक की उपस्थिति में किताब 'वफ़ादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का हुआ विमाचन

देश प्यार : चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब ÷वफ़ादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी÷ वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक÷ का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी । लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुई, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे ÷वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी÷ युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे।

बातचीत के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा। इस कार्यक्रम का आयोजन द ब्राउज़र, फौजी डेज और जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के रीडर्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

दैनिक हिमाचल 31/5/25

लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

चंडीगढ़। जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर 32 के मिनी ऑडिटोरियम में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब 'वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी वॉर रूम से बोर्ड रूम तक' का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की उत्साही भीड़ उमड़ी, जिन्होंने वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का जश्न मनाया। लेफ्टिनेंट ज़नरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर कुछ विचारशील शब्द साझा किए। जीजीएसडी कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा।

Indian Express 31-5-25

Lt Gen Dhillon unveils leadership memoir at literary event

EXPRESS NEWS SERVICE
CHANDIGARH, MAY 30

LIEUTENANT GENERAL K J S 'Tiny' Dhillon (retired) unveiled his latest book, 'Wafadari, Imaanadari, Zimmedari: War-room to Board-room', at a packed literary event that brought together students, faculty, veterans, and readers on Wednesday evening.

Lieutenant General K J S 'Tiny' Dhillon (retired) during the book launch event. *Express*

Sharing the stage with General V P Malik (retired), former Chief of Army Staff, and Premanka Goswami, associate publisher at Penguin India, Lt Gen Dhillon described his book as a journey from the war room to the boardroom — an exploration of leadership grounded in military ethics, national service, and personal integrity.

"Wafadari, Imaanadari, Zimmedari is not just a title — it's a way of life I learned in uniform and now carry into every boardroom conversation," Lt Gen Dhillon said.

A lively conversation followed between Dhillon and Goswami, weaving through pivotal experiences that shaped the memoir and the leadership insights it offers.

The audience engaged enthusiastically during a question and answer session that drew thoughtful questions and candid, often humorous, responses from the author.

रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

➡ पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक की उपस्थिति में किताब 'वफ़ादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का हुआ विमाचन

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब 'वफ़ादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक'का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और जिम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था।

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे 'वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी' युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ। बातचीत के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा। इस कार्यक्रम का आयोजन द ब्राउज़र, फौजी डेज, जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के रीडर्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

पंजाब केसरी 31-5-25

रिटायर्ड लेफ्टिनैंट जनरल के.जे.एस. ढिल्लों की किताब सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वी.पी. मलिक विचार रखते हुए। (परमजीत)

वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक" का विमाचन

चंडीगढ़, 30 मई (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनैंट जनरल के.जे.एस. ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक का विमोचन किया गया। लेफ्टिनैंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पूर्व प्रमुख जनरल वी.पी. मलिक भी उपस्थित थे। लेफ्टिनैंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि उनकी किताब कैसे वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी" युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा ने पहल की सराहना की। टीम को प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा।

एसडी कॉलेज में हुआ रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन

संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में शुक्रवार को रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब 'वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, सैन्य दिग्गजों और साहित्य प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के साथ मंच पर पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने अनुभवों और पुस्तक में वर्णित मूल्यों के महत्व पर विचारशील शब्द साझा किए। पुस्तक का औपचारिक अनावरण गर्व का क्षण था, जब लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और जनरल वीपी मलिक की पत्नियां मंच पर शामिल हुईं, जो पुस्तक में मनाए गए वफादारी, ईमानदारी और ज़िम्मेदारी के मूल्यों का प्रतीक था।

> ➪ **पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक की उपस्थिति में किताब 'वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी: वॉर-रूम से बोर्ड-रूम तक' का हुआ विमोचन**

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने बताया कि कैसे 'वफादारी, ईमानदारी, ज़िम्मेदारी' युद्ध-कक्ष से बोर्ड-रूम तक की उनकी यात्रा को दर्शाती है, जिसमें सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में निहित नेतृत्व के सबक शामिल हैं। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों और गोस्वामी के बीच एक आकर्षक बातचीत भी हुई। उन्होंने मिलकर उन अनुभवों पर चर्चा की, जिन्होंने पुस्तक को आकार दिया, जिससे नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रीय कर्तव्य पर एक प्रेरणादायक चिंतन हुआ। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे।

बातचीत के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने पुस्तक की प्रतियों पर व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने और चाय पर उपस्थित लोगों के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की और टीम को इतनी महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए सराहा। इस कार्यक्रम का आयोजन द ब्राउजर, फौजी डेज और जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ के रीडर्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

-जीजीडीएसडी कालेज में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी : वार-रूम टू बोर्ड-रूम तक का विमोचन

वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी के अहसास से लिखी है किताब

जीजीडीएसडी कालेज, सेक्टर-32 में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब का विमोचन हुआ ●स्वतः

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : अपने अनुभव को किताब में लिखना आसान नहीं होता है, लेकिन जब काम पूरा हो जाता है तो वह पल बहुत ही सुखद भरा होता है। इससे भी ज्यादा सुख का अहसास तब होता है जब दूसरों तक किताब पहुंचने के साथ उस पर चर्चा भी होती है। जीजीडीएसडी कालेज, सेक्टर-32 के मिनी आडिटोरियम में यही नजारा दिखा। यहां पर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों की किताब वफादारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी : वार-रूम टू बोर्ड-रूम तक का विमोचन हुआ। इसके बाद किताब पर चर्चा भी हुई। यह कार्यक्रम द ब्राउजर, फौजी डेज और जीजीएसडी कालेज, चंडीगढ़ के रीडर्स क्लब की ओर से मिलकर करवाया गया। इस अवसर पर सैन्य दिग्गज और साहित्य प्रेमी भी पहुंचे। लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों के अलावा पेंग्विन इंडिया के एसोसिएट पब्लिशर प्रेमंका गोस्वामी और सेना के पूर्व प्रमुख जनरल वीपी मलिक ने किताब को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

मेरी यात्रा को दर्शाती है किताब

लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों ने किताब के बारे में बताया कि कैसे यह किताब मेरी यात्रा को दर्शाती है। इसके शीर्षक से यह बात पता भी चलती है। किताब में सैन्य नैतिकता, लचीलापन और राष्ट्र सेवा में नेतृत्व के सबक शामिल है। किताब को मैंने दिल और जज्बात से लिखा है। जीजीएसडी कालेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा ने इस पहल की सराहना की। इसके अलावा टीम के काम को भी सराहा। जिन्होंने महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्यिक शाम को सफल बनाया।

Decoding the Army ethos

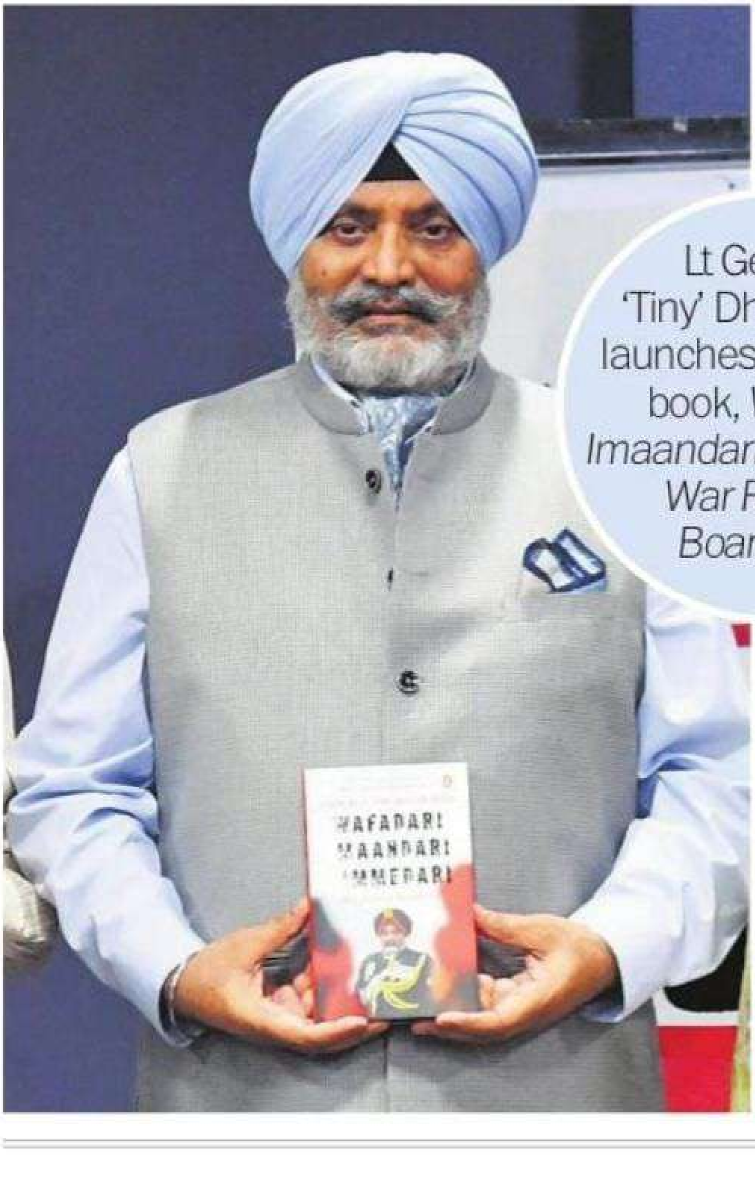

Lt Gen KJS 'Tiny' Dhillon (retd) launches his second book, *Wafadari Imaandari Zimmedari: War Room to Boardroom*

MONA

In a hall full of people, WIZ met rizz as our not so 'Tiny' Lt Gen KJS Dhillon (retd) launched his second book, *Wafadari Imaandari Zimmedari: War Room to Boardroom*, on Thursday evening at SD College-32.

Tall and commanding, the Lt Gen, Tiny Dhillon to his family, friends and colleagues, regaled his audience with interesting anecdotes. *Wafadari Imaandari Zimmedari* highlights the step-by-step process of making of a leader in the Army by imbibing the military ethos of following traditions, adhering to regimentation, holding fast to honour codes, balancing emotions, respecting family values, making hard choices, and above all, withstanding unbearable pressure in any given situation.

The evening was enriched by Lt Gen Dhillon's storytelling, which ranged from inspiring to humorous, often interspersed with thoughtful *shayari* that resonated with the audience. A particularly touching moment occurred when he presented a signed copy of his book to the youngest attendee.

The chief guest on the occasion was General VP Malik (retd). He complimented Lt Gen Dhillon for educating the masses on leadership in simple, soldiers' language.

The Army veterans on stage were joined by the book's editor, Premanka Goswami, who said his perspection of the Indian Army changed after meeting the decorated soldier.

In a jovial mood, Lt Gen Tiny shared how the publishing house said a firm no to the Hindi title for his first book. Also, they had rejected his picture as he looked too fierce for their liking. They, in fact, made a portrait of him in which he looked like yesteryear Bollywood actor Jeetendra. But Tiny would have none of it and told them that he would rather withdraw his manuscript. Lo and behold! The next morning all his demands were met and *Kitne Ghazi Aaye, Kitne Ghazi Gaye* became a hit!

The same publisher soon requested him to write another book — one with a Hindi title, a fiercer-looking picture and the same simple language which he used in the previous one. This one too has a promising start, as even at the pre-order stage, reportedly *Wafadari Imaandari Zimmedari: War Room to Boardroom* has already gone into reprint. It's published by Penguin Veer.

"A good commander never loses sight of humanity. Leading with heart is what sets the greatest leaders apart," he emphasises.